प्रगति ग्रामीण विकास संस्था
बैतूल

वार्षिक रिपोर्ट
1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल

वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2020–2021

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल द्वारा संस्था के कार्यक्षेत्र जिला बैतूल विकासखण्ड बैतूल के 05 ग्रामों एवं आदिवासी विकास खंड भीमपुर के 10 ग्रामों में, जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण समुदाय के आपसी सामंजस्य ,परस्पर सहयोग एवं षैक्षणिक,आर्थिक सामाजिक बदलाव एवं विकास में सभी का योगदान होने और गॉव में दलित व आदिवासी समुदाय के साथ भेदभाव व छुआछूत को समाप्त कर इन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देष्य से निम्नलिखित गतिविधियों को क्रियान्वित किया गया ।

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था के कार्यकर्त्ताओं द्वारा सतत् रूप से ग्राम भ्रमण, समुदाय के साथ सम्पर्क ,ग्राम के प्रषासनिक कर्मचारियों–सरपंच, सचिव, षिक्षक,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एवं पंच प्रतिनिधियों के साथ सघन सम्पर्क, चर्चा करके समस्याओं के संबंध में जानकारियॉ ली गई।

1- षिक्षा कार्यक्रम :– आज वैश्रिक महामारी का रूप ले चुकी कोराना के कारण सम्पूर्ण देष भारत परेषान हो रहा है ऐसी परिस्थिति में सभी सामाजिक ,षैक्षणिक ,एवं व्यवसायिक संस्थाओ को तत्काल बंद करना पड़ा । लॉकडाउन की स्थिति में सामाजिक डिस्टेंस प्रोटोकाल के परिपालन के साथ षिक्षण कार्य सुचारू करना असम्भव था । आवष्यकता आविष्कार की जननी है,यह कहावत तो सूनी थी किन्तु इसे प्रत्यक्ष अनुभव करने का मौका मिला जब कोरोना महामारी ने भारत में पैर पसारना षुरू किया । इन विषम परिस्थिति में षाला के

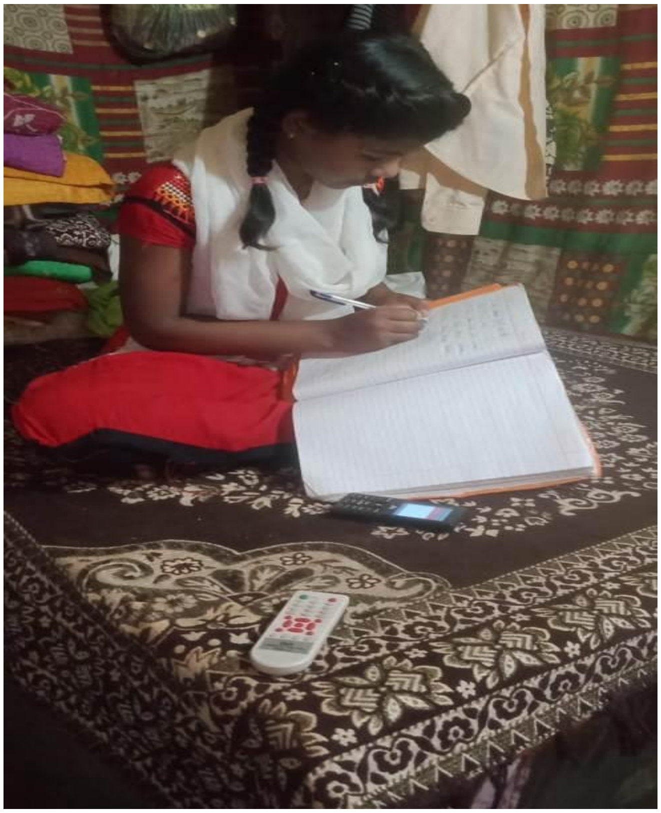

छात्र–छात्राओं को षैक्षणिक गतिविधि से जोड़ने हेतू ई लर्निंग की सहायता लेनी पड़ी। जिसके द्वारा छात्र–छात्राओं षिक्षण सामग्री एवं मार्गदर्षन देने का एक प्लेटफार्म तैयार किया गया है, इसे एक आविष्कार के रूप में कहा जा सकता है ।

2- **डिजीलेप ग्रुप के माध्यम से ई लर्निक की स्थिति :–**कार्यक्षेत्र के ग्रामों में विद्यालयों के छात्र छात्राओं को पालको को डिजीलेप व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ने का कार्य किया गया जो अन्य छात्र–छात्राओं को रेडियो के कार्यक्रम के द्वारा पढ़ाई करने की सलाह दी गई । छात्र–छात्राओं को स्थानीय केवल नेटवर्क पर भी अनेक षैक्षणिक कार्यक्रम प्रसारित हो रहे है जिसे देखने के लिये प्रेरित किया गया ।

1. ई लार्निंग पाठ्यक्रम अन्तर्गत प्रतिदिन षुद्व लेख ओर सभी विषयों के गृह कार्य करवाये जाते है ।

2. षाला में षैक्षणिक कार्यक्रमों को लॉकडाउन की स्थिति में ई लर्निंग डिजीलेप ट

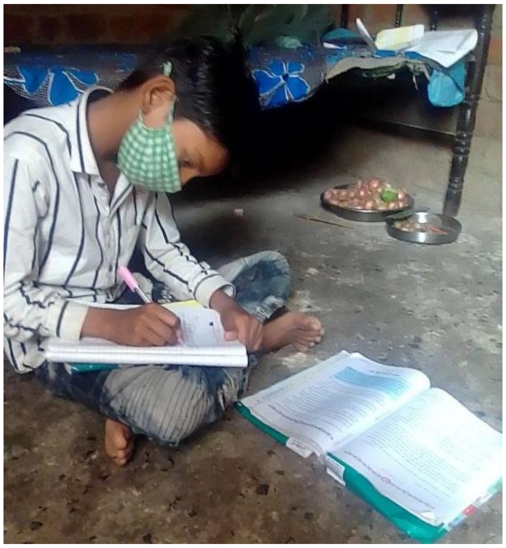

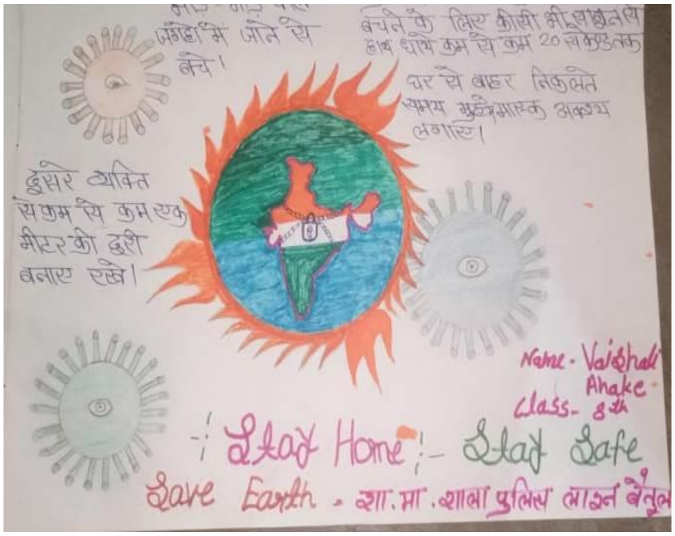

प व्हाट्सएप ग्रुप एवं मोबाईल से काल के माध्यम से षिक्षा प्रदान की जा रही है ,एवं बच्चों को हो रही परेषानियो का निवारण षिक्षको किया गया ।

3. एक अप्रैल से रेडियों कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिदिन 11 बजे से 12 बजे तक बच्चों को षिक्षा से जोडा गया जिससे बच्चे बिना विघ्न के छुटिटयों में भी घर पर षिक्षा से जुडे रहे । अपने बच्चों को प्रतिदिन पुस्तक का एक पेज पढ़नें एवं नकल करने के लिए प्रेरित किया गया । जिसका सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि लॉकडाउन के दौरान भी अपने घरों मे ही अध्यापन से छात्र–छात्रायें जुडे रहे।

4. सप्ताह में एक दिन छात्र–छात्राओं के पालको से दूरभाष पर वार्तालाप कर छात्र–छात्राओं के क्रियाकलाप पर चर्चा कि गई ।
5. बच्चों को कारोना वायरस के प्रति जागरूक करने का भी कार्य किया जा रहा है उन्हे सोषल डिस्टेन का पालन करने ,मास्क लगाने ,हेडवास या साबुन से हाथ घोने तथा सेनेटाइजर का उपयोग करने हेतु जागरूक किया जा रहा है । जिसके कारण आज सभी बच्चे स्वस्थ एवं खुष है ।

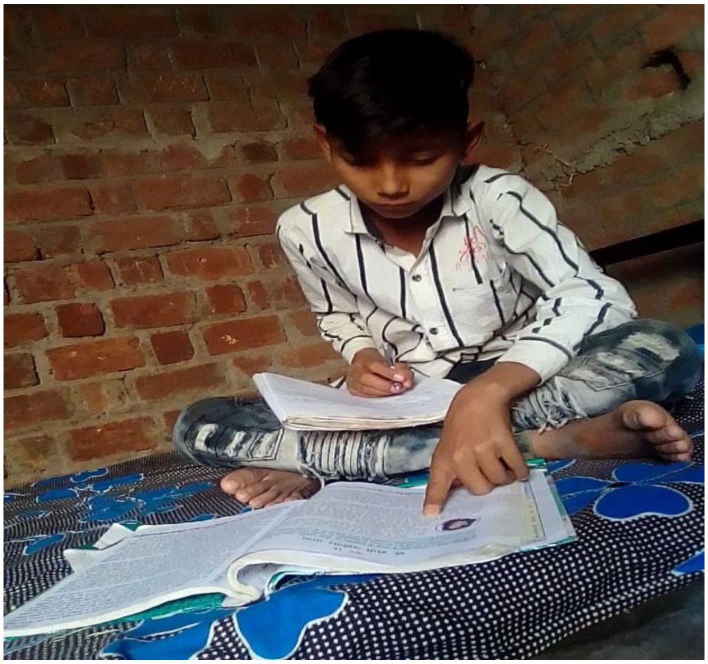

6. छात्र–छात्राओं को सामान्य ज्ञान संवर्धन अन्तर्गत जानकारी निरंतर प्रदत्त की गई ।
7. छात्र–छात्राओं को स्थानीय केवल नेटवर्क पर भी अनेक षैक्षणिक कार्यक्रम प्रसारित हो रहे है जिसे देखने के लिये प्रेरित किया गया ।
8. डिजिटल लर्निंग का उपहार न केवल छात्रों के लिए बल्कि माता पिता के लिए भी एक आर्षीवाद साबित हुआ है, जो आमतोर पर अपने बच्चों को घर पर मार्गदर्षन करते है

और उन्हे अपने अध्ययन और गृहकार्य में मदद करते है । इसके अलावा ई लर्निंग इसकी इंटरेक्टिव प्रकृति की बजह से उन बच्चों के लिए एक मजेदार खेल बन जाता है ,जो परम्परागत तरीको से विषय को अधिक तेजी से समझ सकते है ।

3- खाद्यान्न सामग्री का वितरण :- देषभर में कोराना वायरस के प्रसार को रोकने के लिये लॉकडाउन से उत्पन्न आर्थिक स्थितियॉ उन लोगो को बुरी तरह प्रभावित किया जो इस महामारी से तो षायद बच जायेगे ,लेकिन राजमर्रा की आवष्यकता जरूरतो का पूरा न होना उनके लिये अलग मुष्किले खड़ी कर दी थी । जिससे लोगो के जीवन में एक आर्थिक तबाही मचा दी थी । लॉकडाउन के कारण मजदूर एवं गरीब लोग काम नही कर पा रहे थे जिसके कारण सामाजिक आर्थिक परिस्थिति पर संकट बन गया था । संस्था ने संकट की स्थिति में 40 परिवारो को खाद्यान्न सामग्री का वितरण किया गया ।

4- स्वास्थ्य षिक्षा :- हाथ धोन सामाजिक /षारीरिक दूरी का औचित्य, बिना हाथ धोये मुंह,ऑखो और नाक को न छुने के बारे में व्यापक संदेष पहुॅचाया गया । लक्षण ,प्रसार और सावधानियो के बारे में व्यापक जागरूकता आने का प्रयास किया गया ।

5- **शासकीय कार्यालयों से सम्पर्क** : कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों की सूचना षासकीय कार्यालयो को दी गई एवं शालेय षिक्षकों से सम्पर्क किया गया समय समय पर शासकीय कार्यालयों से सम्पर्क स्थापित किया गया ।

प्रमोद नाईक
सचिव
प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल